खाटू श्यामबाबा की आरती,
ॐ जय श्री श्याम हरे , बाबा जय श्री श्याम हरे।
खाटू धाम विराजत, अनुपम रुप धरे ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे.

रत्न जड़ित सिंहासन, सिर पर चंवर ढुले।
तन केशरिया बागों, कुण्डल श्रवण पडे ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे.

गल पुष्पों की माला, सिर पर मुकुट धरे।
खेवत धूप अग्नि पर, दिपक ज्योती जले॥

ॐ जय श्री श्याम हरे.

मोदक खीर चुरमा, सुवरण थाल भरें।
सेवक भोग लगावत, सेवा नित्य करें ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे.

झांझ कटोरा और घसियावल, शंख मृंदग धरे।
भक्त आरती गावे, जय जयकार करें ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे.

जो ध्यावे फल पावे, सब दु:ख से उबरे।
सेवक जन निज मुख से, श्री श्याम श्याम उचरें ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे.

श्रीश्याम बिहारीजी की आरती जो कोई नर गावे।
कहत मनोहर स्वामी मनवांछित फल पावें ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे.

ॐ जय श्री श्याम हरे , बाबा जय श्री श्याम हरे।
निज भक्तों के तुम ने पूर्ण काज करें ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे.

ॐ जय श्री श्याम हरे , बाबा जय श्री श्याम हरे।
खाटू धाम विराजत , अनुपम रुप धरे ॥
ॐ जय श्री श्याम हरे

खाटू नरेश की जय हो
इति खाटू श्यामबाबा की आरती,

Source: https://www.bharattemples.com/khatu-shyambaba-ki-aarti-in-hindi/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw